————रक्षा बन्धन की प्रतिज्ञा————

बांधकर धागा राखी का खाओ आज कसम
योग बल से कर देंगे सर्व विकारों को भसम
आने ना देंगे जीवन में माया का कोई तूफान
अपना चरित्र बनाएंगे हम ब्रह्मा बाप समान
पूरी करेंगे हम बाबा की हर इक मीठी आस
रखेंगे आज से हम सर्व विकारों से उपवास
आत्मा के स्वधर्म की हम रक्षा करते रहेंगे
माया के तूफानों से हम बिल्कुल नहीं डरेंगे
इस पतित पुराने जग से हर पल मरते रहेंगे
ईश्वरीय मत के आगे समझौता नहीं करेंगे
रक्षा बन्धन याद दिलाता रहेगा ये प्रतिज्ञा
नहीं करेंगे हम बाबा की आज्ञा की अवज्ञा
चलना है जब परमधाम बनकर निराकारी
हमें नहीं लुभाएगी अब ये दुनिया साकारी
तोड़ सारे बन्धन रखेंगे बाबा से हर रिश्ता
सुख शान्ति फैलाएंगे बनकर हम फरिश्ता
शिवबाबा की याद में हम इतना खो जाएंगे
अपने चेहरे से हम बाबा का दर्शन कराएंगे

—: ऊँ शान्ति :—